AMOGHVARTA

ISSN : 2583-3189

बिलासपुर में माध्यमिक स्तर पर सरकारी और निजी विद्यालय के विद्यार्थियों में शैक्षिक तनाव का तुलनात्मक अध्ययन

ORIGINAL ARTICLE

Author
कल्पना कुमारी
शोधार्थी
एम.एड. शिक्षा विभाग
गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़, भारत

शोध सार

प्रस्तुत शोध पत्र माध्यमिक स्तर पर सरकारी और निजी विद्यालय में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव के अध्ययन से सम्बंधित है। शोध अध्ययन हेतु न्यायदर्श के रूप में 100 विद्यार्थियों को चुना गया है जिसमें 50 बालक तथा 50 बालिकाएँ हैं। प्रदतो के संग्रह हेतु डॉ जाकिर अख्तर द्वारा बनाया गया स्टूडेंट स्ट्रेस स्केल का प्रयोग किया गया है। शोध परिणाम के आधार पर यह कहा जा सकता है कि माध्यमिक स्तर पर सरकारी और निजी विद्यालय में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के बीच शैक्षिक तनाव में कोई अंतर नहीं होता है।

मुख्य शब्द

माध्यमिक स्तर, सरकारी विद्यालय, निजी विद्यालय, शैक्षिक तनाव, विद्यार्थी.

भूमिका

भारतीय शिक्षा का इतिहास बहुत ही प्राचीन है, जिसमें शिक्षा के स्वास्थ्य का वर्णन हमें वेदों से मिलता है जैसे प्राचीन काल में शिक्षा द्वारा बालक के समग्र विकास पर बल दिया जाता था। उसी प्रकार आज भी शिक्षा द्वारा बालक के समग्र विकास पर बल दिया जाता है। बालक का समग्र विकास चारदीवारी के अंदर असंभव है। बालक के समग्र विकास के लिए रुचियों और व्यक्तित्व की आवश्यकता को ध्यान में रख कर शिक्षित किया जाए।

शिक्षा आयोग (1964—1966) के अनुसार

माध्यमिक शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य है विद्यार्थियों को उच्च अध्ययन तथा जीविकोपार्जन के लिए तैयार करना। माध्यमिक स्तर पर अध्ययन करने वाले विद्यार्थी अपने भविष्य के लिए अधिक सचेत हो जाते हैं।

माध्यमिक स्तर पर अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों के दिमाग बाल्यावस्था और किशोरावस्था के उलझनों से प्रभावित होता है। इस समय विषय वर्ग का चयन, अभिभावक के अपेक्षाएं, विद्यार्थियों के स्वयं की रुचि और क्षमता, अच्छे संस्थान में प्रवेश, उच्चतर स्तर के प्रतियोगिता आदि कारक है जो विद्यार्थियों के शैक्षणिक तनाव को प्रभावित करते है।

महर्षि अरविंद के अनुसार

अध्यापक राष्ट्र के संस्कृति का चतुर माली है और विद्यार्थी उसकी बगिया का पुष्प है, वे संस्कारों के नींव में खाद देकर तनाव आदि विकारों के प्रभावों को कम कर देती है और अपने श्रम से उन्हें सींचकर शक्तियों को निर्मित करते हैं।

शोध प्रश्न

1. क्या सरकारी माध्यमिक विद्यालयों तथा निजी माध्यमिक विद्यालयों में पाई जाने वाली असमानता को समाप्त किया जा सकता है?
2. सरकारी माध्यमिक विद्यालयों तथा निजी माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य शैक्षिक तनाव में क्या अंतर है?

समस्या कथन

बिलासपुर में माध्यमिक स्तर पर सरकारी और निजी विद्यालय के विद्यार्थियों में शैक्षिक तनाव का तुलनात्मक अध्ययन।

उद्देश्य

1. माध्यमिक स्तर पर सरकारी और निजी विद्यालय में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के बीच शैक्षिक तनाव में तुलनात्मक अध्ययन करना ।
2. माध्यमिक स्तर पर सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्र और छात्राओं के बीच शैक्षिक तनाव का तुलनात्मक अध्ययन।
3. माध्यमिक स्तर पर निजी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्र और छात्राओं के बीच शैक्षिक तनाव का तुलनात्मक अध्ययन।
4. माध्यमिक स्तर पर निजी और सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्राओं के बीच शैक्षिक तनाव का तुलनात्मक अध्ययन।
5. माध्यमिक स्तर पर निजी और सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्रों के बीच शैक्षिक तनाव का तुलनात्मक अध्ययन।

परिकल्पना

H_{01} माध्यमिक स्तर पर सरकारी और निजी विद्यालय में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के बीच शैक्षिक तनाव में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

H_{02} माध्यमिक स्तर पर सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्र और छात्राओं के बीच शैक्षिक तनाव में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

H_{03} माध्यमिक स्तर पर निजी विदयालय में अध्ययनरत् छात्र और छात्राओं के बीच शैक्षिक तनाव में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

H_{04} माध्यमिक स्तर पर निजी और सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्राओं के बीच शैक्षिक तनाव में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

H_{05} माध्यमिक स्तर पर निजी और सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्रों के बीच शैक्षिक तनाव में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

अध्ययन की विधि

प्रस्तुत शोध मात्रात्मक अनुसंधान में वर्गीकृत है। शोध के प्रकृति वर्णनात्मक होने के कारण सर्वे विधि का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या

प्रस्तुत शोध अध्ययन में जनसंख्या के लिये छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित बिलासपुर शहर के अंतर्गत आने वाले 20 सरकारी और निजी विद्यालयों का सूची तैयार की गई है।

न्यादर्श

जनसंख्या से न्यायदर्श प्राप्त करने हेतु 100 विद्यार्थियों का चयन सरल यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया है जिसमें 50 बालक तथा 50 बालिकाएँ हैं।

उद्देश्य 1: माध्यमिक स्तर पर सरकारी और निजी विद्यालय में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के बीच शैक्षिक तनाव का तुलनात्मक अध्ययन ।

परिकल्पना H_{01} माध्यमिक स्तर पर सरकारी और निजी विद्यार्थियों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

माध्यमिक स्तर सरकारी और निजी विद्यालयों में अध्ययन शैक्षिक तनाव में अंतर जानने के लिए टी–वैल्यू का प्रयोग किया गया है। इसे सारणी 1 में दर्शाया गया है।

सारणी क्रमांक 1: सरकारी और निजी विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों पर शैक्षिक तनाव का प्रभाव

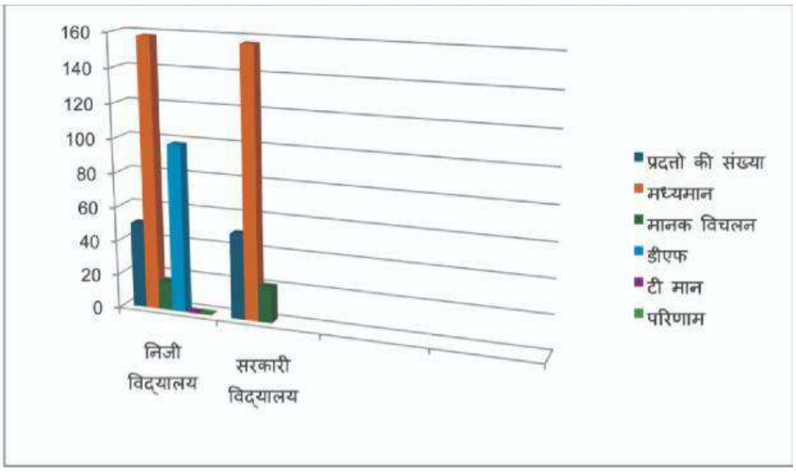

क्रम संख्या	तुलनात्मक समूह	प्रदतो की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	डीएफ	टी मान	परिणाम
1.	निजी विद्यालय	50	158.02	16.80	98	0.32	कोई सार्थक अंतर नहीं है
2.	सरकारी विद्यालय	50	156.76	20.67			

डीएफ=98, टी=0.32, 1.99>0.32

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

उपर्युत सारणी क्रमांक 1 से ज्ञात होता है कि माध्यमिक स्तर पर सरकारी और निजी विद्यालय में अध्ययनरत् 100 छात्र के समूह में निजी विद्यालय के विद्याथियों के प्रप्तांको के मध्यमान 158.02 और सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों के प्रप्तांको का मध्यमान 156.76 है ।

निजी विद्यालय के विद्यार्थियो का मानक विचलन 16.80 है तथा सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियो का मानक विचलन 20.67 रहा है इनके मध्य टी वैल्यू 0.32 प्राप्त हुआ है तथा स्वतंत्रता के कोटि डीएफ 98 है जबकि सुची मूल्य 1.99 से गणना मूल्य 0.32 कम है।

अतः यह स्पष्ट है की सरकारी और निजी विद्यालय में अध्ययनरत् विद्याथियों के शैक्षिक तनाव में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

उद्देश्य 2: माध्यमिक स्तर पर सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्र और छात्राओं के बीच शैक्षिक तनाव का तुल्नात्मक अध्ययन।

परिकल्पना H_{02} माध्यमिक स्तर पर सरकारी बिद्यालयों में अध्यनरत छात्र और छात्राओं के बीच शैक्षिक तनाव में सार्थक अंतर होगा

माध्यमिक स्तर पर सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्र और छात्राओं के बीच शैक्षिक तनाव में अंतर ज्ञात करने के लिए टी मूल्य का प्रयोग किया गया है। इसे सारणी 2 में दर्शाया गया है।

सारणी 2: सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्र और छात्राओं पर शैक्षिक तनाव का प्रभाव

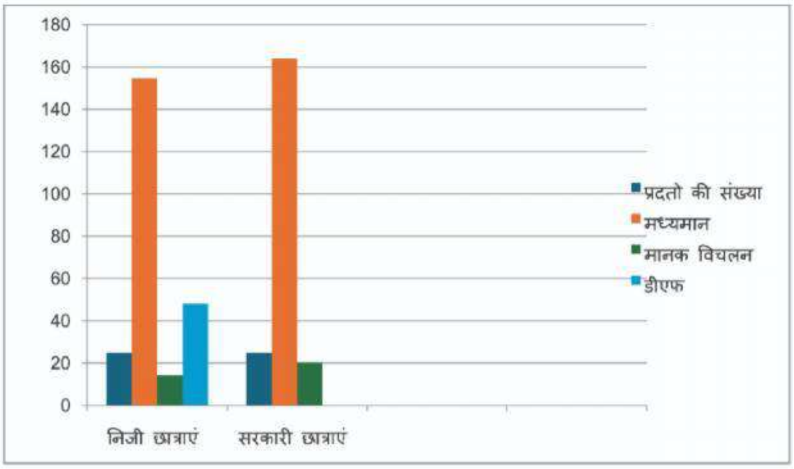

क्रम संख्या	तुलनात्मक समूह	प्रदतो की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	डीएफ	टी मान	परिणाम
1	छात्राएं	25	163.88	20.26	48	2.77	सार्थक अंतर है
2	छात्र	25	148.72	18.36			

डीएफ=48, टी=2.77, 2.01<2.77

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

उपर्युक्त सारणी 2 से ज्ञात होता है की माध्यमिक स्तर पर सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् 50 विद्यार्थियों के समूह में छात्राओं के प्रप्तांको का मध्यमान 163.88 है और छात्रो के प्रप्तांको का मध्यमान 148.72 है। छात्राओं का मानक विचलन 20.2614 है तथा छात्र का मानक विचलन 18.3632 इनके मध्य टी वैल्यू 2.7 प्राप्त हुआ है तथा स्वतंत्रता के कोटि df = 48 है। जबकी 0.05 स्तर सुची मूल्य 2.01 से गणना मान 2.77 अधिक है।

उपर्युक्त सारणी से स्पष्ट हो रहा है की सरकारी विद्यालय में अध्यनरत छात्राओं का मध्यमान अधिक है इसीलिए यह अधिक शैक्षिक तनाव में है। ग्रामीण क्षेत्र में स्थित सरकारी स्कूल में अधय्यनरत छात्राएं छात्रों के तुलना में अधिक शैक्षणिक तनाव में रहती है।

1. सरकारी विद्यालय में शौचालय की व्यवस्था नहीं होती है, जिससे छात्राओं के लिए समस्या उत्पन्न होती है इसलिए वे एकाग्रपूर्ण अध्ययन करने में काबिल नहीं हो पाते है तथा तनाव में हो जाते हैं।
2. ग्रामीण क्षेत्र की लड़कियों पर पढने के अलावा और भी भिन्न प्रकार के घरेलु काम थोप दिया जाता है जिससे वे अध्ययन और कामो के बीच में समायोजन नहीं बैठा पाती है और तनावग्रस्त महसूस करती है।

उद्देश्य 3: माध्यमिक स्तर पर निजी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्र और छात्राओं के बीच शैक्षिक तनाव का तुल्नात्मक अध्ययन

परिकल्पना H_{03} माध्यमिक स्तर पर निजी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्र और छात्राओं के बीच शैक्षिक तनाव में सार्थक अंतर नहीं होगा।

माध्यमिक स्तर पर निजी विद्यालय में अध्नयरत छात्र और छात्राओं के बीच शैक्षिक तनाव में अंतर ज्ञात करने के लिए टी परीक्षण (मान) प्रयोग किया गया है जिसे सारणी 3 में दर्शाया गया है।

सारणी 3: निजी स्कूलों में अध्ययनरत् छात्र और छात्राओं पर शैक्षिक तनाव का प्रभाव

क्रम संख्या	तुलनात्मक समूह	प्रदतो की संख्या	मध्यमन	प्रमाणिक विचलन	डीएफ	टी परीक्षण	परिणाम
1	छात्राएं	25	154.64	14.36	48	1.50	सार्थक अंतर नहीं है
2	छात्र	25	162.28	18.63			

डीएफ=48, टी=1.50,

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

उपर्युत सारणी 1.3 से जात होता है की मध्यमिक स्तर पर निजी विद्यालय में 50 विद्यार्थियों के समूह में छात्राओं के प्राप्तांको का मध्यमान 154.64 है और छात्रों के प्राप्तांको का मध्यमान 162.28 है छात्राओं का मानक विचलन 14.36 है तथा छात्रों का मानक विचलन 18.63 रहा। इनके मध्य टी मूल्य 1.50 प्राप्त हुआ है तथा स्वतंत्रता की कोटि df=48 है जबकि 0.05 स्तर पर सुची मूल्य 2.01 से गणना मूल्य 1.50 कम है।

अतः यह स्पष्ट हो रहा है कि निजी विद्यालय में अध्यनरत छात्रों और छात्राओं के बीच शैक्षिक तनाव में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

उद्देश्य 4: माध्यमिक स्तर पर निजी और सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्राओं के बीच शैक्षिक तनाव का तुलनात्मक अध्ययन।

परिकल्पना H_{04} निजी और सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्राओं के बीच शैक्षिक तनाव में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

माध्यमिक स्तर पर निजी और सरकारी स्कूल में अध्ययनरत् छात्राओं के बिच शैक्षिक तनाव में अन्तर ज्ञात करने के लिए टी मान का प्रयोग किया गया है जिसे सारणी 4 में दर्शया गया है।

सारणी 4: निजी और सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्राओं पर शैक्षिक तनाव का प्रभाव

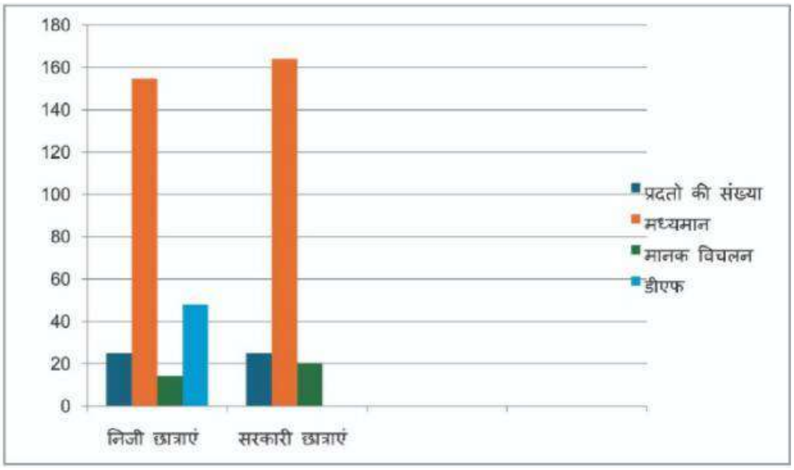

क्रम संख्या	तुलनात्मक समूह	प्रदतो की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	डीएफ	टी परीक्षण	परिणाम
1	निजी छात्रा	25	154.64	14.36	48	−1.86	सार्थक अंतर नहीं है
2	सरकारी छात्रा	25	163.88	20.26			

डीएफ=48,टी=1.86, 2.03> −1.86

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

उपर्युत सारणी 1.4 से ज्ञात होता है की माध्यमिक स्तर पर निजी और सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् 50 छात्राओं के समूह में निजी विद्यालय के छात्राओं के प्राप्तांको का मध्यमान 154.64 है तथा सरकारी विद्यालय केछात्राओं के प्राप्तांक के मध्यमान 163.88 है। निजी विद्यालय के छात्राओं का मानक विचलन 14.36 है तथा सरकारी विद्यालय के छात्राओं का मानक विचलन 20.26 है, इनके मध्य टी वैल्यू 1.86 प्राप्त हुआ है तथा स्वतंत्रता के कोटि df = 48 है। जबकी सुची मूल्य 2.03 है जिससे गणना मान –1.86 कम है।

अतः यह स्पष्ट है की सरकारी और निजी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्राओं के शैक्षिक तनाव में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

उद्देश्य 5: माध्यमिक स्तर परनिजी और सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्रों के बिच शैक्षिक तनाव का तुल्नात्मक अध्ययन।

परिकल्पना H_{05} निजी और सरकारी विद्यालय में अध्नरत छात्रों के बिच शैक्षिक तनाव मॅकोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

मध्यमिक स्तर पर निजी और सरकारी स्कूल में अध्ययनरत् छात्र के बिच शैक्षिक तनाव में अंतर ज्ञात करने के लिए टी मूल्य का प्रयोग किया गया है जिसे सारणी 5 में दर्शया गया है।

सारणी 5: निजी और सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्रों पर शैक्षिक तनाव का प्रभाव

क्रम संख्या	तुलनात्मक समूह	प्रदतो की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	डीएफ	टी परीक्षण	परिणाम
1	निजी छात्र	25	162.28	18.63	48	0.49	सार्थक अंतर नहीं है
2	सरकारी छात्र	25	148.72	18.36			

डीएफ=48, टी=0.49, 2.03झ0.49

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

उपर्युक्त सारणी 1.5 से ज्ञात होता है की माध्यमिक स्तर पर निजी और सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् 50 छात्रों के समूह में निजी विद्यालय के छात्रों के प्रप्तांको का मध्यमान 162.28 है तथा सरकारी विद्यालयों में छात्रों के प्राप्तांको का मध्यमान 148.72 है। निजी विद्यालयों के छात्रो का मानक विचलन 18.63 रहा है तथा सरकारी विद्यालय के छात्रों का मानक विचलन 18.36 रहा है। इनके मध्य टी वैल्यू 0.49 प्राप्त हुआ है तथा स्वतंत्रता की कोटि df = 48 जबकी सुची मूल्य 2.03 है जिससे गणना मूल्य 0.49 कम है।

अतः यह स्पष्ट है कि सरकारी और निजी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्रों के शैक्षिक तनाव में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

निष्कर्ष

माध्यमिक स्तर पर सरकारी और निजी विद्यार्थियों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव में कोई सार्थक अंतर नहीं होता है। माध्यमिक स्तर पर सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्र और छात्राओं के बीच शैक्षिक तनाव में सार्थक अंतर होता है। माध्यमिक स्तर पर निजी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्र और छात्राओं के बीच शैक्षिक तनाव में कोई सार्थक अंतर नहीं होता है। माध्यमिक स्तर पर निजी और सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्राओं के बीच शैक्षिक तनाव में कोई सार्थक अंतर नहीं होता है। माध्यमिक स्तर पर निजी और सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्रों के बीच शैक्षिक तनाव में कोई सार्थक अंतर नहीं होता है।

माध्यमिक स्तर पर निजी और सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत् छात्रों के तुलना में छात्राओं को ज्यादा शैक्षिक तनाव में पाया जाता है।

शोध के शैक्षिक निहितार्थ

शोधकर्ता द्वारा प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर शैक्षिक महत्व को निम्नलिखत बिन्दुओ पर समझाया जा सकता है:

1. उपर्युत अध्ययन के आधार पर अध्यापक अपने क्लास में छात्र और छात्राओं के बीच भेद नहीं करेंगे।
2. शिक्षकों को शिक्षण प्रक्रिया के समय अपने छात्रों के साथ सकारात्मक संबंध बानाने में मदद मिलेगी।
3. छात्रों के तनाव स्तर को कम करने के लिए योजना बानाने में सहायक होगी।
4. वर्तमान अध्ययन के निष्कर्ष से प्रशिक्षण पेशेवरो को मदद मिलेगी।

संदर्भ सूची

1. रॉस, जे. एस. (1951) *ग्राउंड वर्क ऑफ एजुकेशनल साइकॉलॉजी,* जॉर्ज जी हारूप एण्ड कं., लंदन, पृ. 9–11।
2. झा, बी. एस. (1946) *मॉडर्न एजुकेशनल साइकॉलॉजी,* (रिवाइज्ड) इंडियन प्रेस लिमिटेड, इलाहाबाद, पृ.11–12।
3. मुदालियर आयोग (माध्यमिक शिक्षा आयोग) 1952–53।
4. कुमार, अशोक (जनवरी 2018) किशोरों के तनाव व शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध क अध्ययन 6(12), www.jcrt.org, Assesss on 27/04/2024.
5. तिवारी, पूनम (2018) उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शिक्षार्थियों के शैक्षिक तनाव व मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन, 4 (10), 2395–6011, www.ijsrst.com, Assesss on 26/04/2024.
6. चन्नवार, सोनाली (2018), सरकारी और निजी स्कूलो के किशोरों में शैक्षिक तनाव का तुलनात्मक अध्ययन, वॉल्यूम 5 (1), 2349 638, www.aiir.journal.com, Assesss on 12/03/2024.
7. जुयाल, ज्योति और कुमार, संजीव (अक्तूबर 2019) विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर शैक्षिक तनाव के प्रभाव का अध्ययन वॉल्यूम 7(36) www.srjis.com, Assesss on 27/04/2024.
8. सिंह, विकास कुमार एवं उपाध्याय, अखिलेश कुमार (2024) विद्यार्थियो के शैक्षिक संतुष्टि व तनाव का अध्ययन, 2349–5162 वॉल्यूम 10(9), www.jetir.org, Assesss on 27/04/2024.
9. अरोड़ा, आर. के. एस. (दिसम्बर 2020) माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों के शैक्षिक तनाव पर तुलनात्मक अध्ययन, वॉल्यूम 4 (बी), www.ijrpr.com, Assesss on 24/04/2024.
10. पाण्डेय, नीरा (दिसम्बर 2020) शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के बी.एड. प्रशिक्षार्थियों के अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा के समन्वित परीक्षा पद्धति संबन्धित शैक्षिक चिंता का तुलनात्मक अध्ययन, 7(13) 2349–5162, www.jetir.org, Assesss on 24/04/2024.

——==00==——